इंदिरा प्वाइंट: प्रकाशस्तंभ संरक्षण और संवेदनशील तटीय क्षेत्र का प्रश्न

खबरों में क्यों

जुलाई 2026 में इंदिरा प्वाइंट के प्रकाशस्तंभ की सुरक्षा और आसपास विकास कार्यों के लिए तटीय अनुमति माँगे जाने की खबर आई। The Indian Express की 7 जुलाई की रिपोर्ट के अनुसार श्री विजय पुरम स्थित दीपस्तंभ और दीपपोत निदेशालय ने अंडमान-निकोबार तटीय क्षेत्र प्रबंधन प्राधिकरण और पर्यावरण मंत्रालय से मंजूरी माँगी थी [प्रेस]। **प्रस्ताव, संबंधित समिति का समर्थन और अंतिम पर्यावरणीय अनुमति अलग अवस्थाएँ हैं**। यहाँ जुलाई के प्रस्ताव का विवरण है, बाद की अनुमति या निर्माण की वर्तमान स्थिति का दावा नहीं।

स्थान और नौवहन महत्व

दीपस्तंभ और दीपपोत महानिदेशालय (DGLL) के अनुसार इंदिरा प्वाइंट ग्रेट निकोबार द्वीप पर भारतीय क्षेत्र का दक्षिणतम सिरा है और कोलंबो-सिंगापुर अंतर्राष्ट्रीय जहाज मार्ग का महत्वपूर्ण संकेतक है [प्राथमिक]। इसे भारतीय मुख्यभूमि का दक्षिणतम बिंदु नहीं कहना चाहिए। IE के अनुसार यह गैलेथिया खाड़ी के दक्षिण में स्थित है [प्रेस]।

DGLL का विवरण प्रकाशस्तंभ का कमीशन होना **30 अप्रैल 1972** और ऊँचाई **35 मीटर** बताता है। ढलवाँ लोहे का यह टावर लाल-सफेद पट्टियों वाला है। स्थान का पुराना नाम Pygmalion Point था; आधिकारिक नामकरण समारोह 10 अक्टूबर 1985 को हुआ [प्राथमिक]।

प्रस्ताव में क्या शामिल था?

IE की रिपोर्ट के अनुसार प्रारंभिक कार्यों में प्रकाशस्तंभ के चारों ओर पाइल आधारित प्लेटफॉर्म, पहुँच संरचना, पत्थर का बंध, सड़क और अस्थायी जेटी शामिल थे। दूसरे चरण में तटवर्ती सुविधाएँ, ढलान सुरक्षा और पर्यटन सुविधाएँ प्रस्तावित थीं। इनमें सम्मेलन केंद्र, कैफेटेरिया, दृश्यावलोकन टावर, साइकिल ट्रैक, संग्रहालय और स्मारक का उल्लेख था [प्रेस]।

रिपोर्ट ने IIT मद्रास के विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (DPR), WAPCOS के पर्यावरण प्रभाव आकलन और अन्ना विश्वविद्यालय के तटीय मानचित्र का हवाला दिया। इन परियोजना दस्तावेजों का मूल पाठ इस लेख के लिए नहीं पढ़ा गया है। इसलिए चरण, स्थल-श्रेणी और संभावित प्रभाव संबंधी परियोजना-विशिष्ट विवरण प्रेस के आधार पर हैं, स्वतंत्र परियोजना प्रमाणीकरण नहीं।

संरक्षण की जरूरत क्यों?

2004 के भूकंप-सुनामी के बाद इस क्षेत्र में भूमि अवतलन और समुद्र के भीतर पहुँच बढ़ने से प्रकाशस्तंभ की नींव तथा आसपास की संरचनाएँ प्रभावित हुईं। DGLL समुद्र में टावर के एक हिस्से के डूबने और आसपास क्षति का उल्लेख करता है [प्राथमिक]। जुलाई की रिपोर्ट में लहरों, तटीय कटाव और तटरेखा परिवर्तन से सुरक्षा की जरूरत बताई गई [प्रेस]।

अलग विवरणों में अवतलन या डूबे हिस्से की माप का आधार और संख्या समान नहीं है। इसलिए यहाँ कोई एक मीटर-आँकड़ा निर्णायक रूप से नहीं दिया गया। तात्कालिक भूकंपीय भूमि परिवर्तन, दीर्घकालीन समुद्र-स्तर परिवर्तन और तटीय कटाव अलग प्रक्रियाएँ हैं; सबको केवल जलवायु परिवर्तन का परिणाम कहना उचित नहीं [विश्लेषण]।

ICRZ-IA और ICRZ-IVA में अंतर

Island Coastal Regulation Zone Notification, 2019 का मूल अंग्रेजी पाठ ICRZ-IA में पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र और तटीय अखंडता बनाए रखने वाली भू-आकृतियाँ रखता है। इनमें मैंग्रोव, प्रवाल, रेत के टीले, जैव-सक्रिय

मडफ्लैट और कछुओं के घोंसले वाले स्थल जैसे उदाहरण हैं [प्राथमिक-नियम]। हर ICRZ-IA स्थल पर ये सभी विशेषताएँ होना आवश्यक नहीं।

ICRZ-IVA निम्न ज्वार रेखा से समुद्र की ओर 12 समुद्री मील तक के जल और समुद्र-तल क्षेत्र को शामिल करता है [प्राथमिक-नियम]। IE के अनुसार परियोजना के मानचित्र में प्रकाशस्तंभ IVA में और अन्य प्रस्तावित सुविधाएँ IA में बताई गई थीं [प्रेस]। क्षेत्र का वर्गीकरण और गतिविधि की अनुमति अलग सवाल हैं; किसी नियम में 'प्रकाशस्तंभ' का उल्लेख पूरी पर्यटन परियोजना की स्वत: स्वीकृति नहीं है [विश्लेषण]।

संरक्षण और पर्यटन का अलग मूल्यांकन

सुरक्षित नौवहन के लिए मरम्मत का उद्देश्य और सम्मेलन केंद्र जैसी नई सुविधा का उद्देश्य अलग है। हर कार्य का स्थान, विकल्प, निर्माण विधि, समुद्री तलछट, प्रवाल पर असर, कचरा प्रबंधन और लंबे समय की रखरखाव आवश्यकता जाँची जानी चाहिए [विश्लेषण]। जुलाई की रिपोर्ट के अनुसार प्राधिकरण को प्रस्ताव का परीक्षण कर मंत्रालय को सिफारिश भेजनी थी। अधिकारी ने निषिद्ध गतिविधि न करने और आवश्यक पूर्व अनुमति लेने की बात कही थी [प्रेस]। यह कथन अनुमति मिल जाने का प्रमाण नहीं है।

परीक्षा की दृष्टि से

GS-1: द्वीपीय भूगोल, अवतलन और तटरेखा परिवर्तन। **GS-3:** पर्यावरणीय नियमन, आपदा जोखिम और समुद्री अवसंरचना। उत्तर में नौवहन सुरक्षा, सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन लाभ के साथ संवेदनशील तटीय पारिस्थितिकी तथा पूर्व अनुमति की जरूरत को रखिए। मुख्य अंतर: संरक्षण बनाम नया विकास; IA बनाम IVA; आवेदन बनाम अंतिम मंजूरी [विश्लेषण]।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

"इंदिरा प्वाइंट का भौगोलिक और रणनीतिक महत्व संक्षेप में समझाइए।" (सामान्य अध्ययन-I; 150 शब्द)

उत्तर की रूपरेखा:

भूमिका में: भूमिका में DGLL के अनुसार इंदिरा प्वाइंट ग्रेट निकोबार द्वीप पर भारतीय क्षेत्र का दक्षिणतम सिरा है, यह स्पष्ट करें — इसे भारतीय मुख्यभूमि का दक्षिणतम बिंदु न कहें; गैलेथिया खाड़ी के दक्षिण में इसकी स्थिति बताएँ।

मुख्य भाग में: भौगोलिक महत्व में 2004 के भूकंप-सुनामी के बाद भूमि अवतलन, समुद्र के भीतर पहुँच बढ़ने और तटरेखा परिवर्तन से प्रकाशस्तंभ की नींव व संरचनाओं पर असर बताएँ; अवतलन की माप का कोई एक निर्णायक आँकड़ा न दें, क्योंकि विवरणों में आधार एक समान नहीं है। रणनीतिक महत्व में कोलंबो-सिंगापुर अंतर्राष्ट्रीय जहाज मार्ग के महत्वपूर्ण संकेतक होना और सुरक्षित नौवहन में 30 अप्रैल 1972 को कमीशन हुए 35 मीटर ऊँचे प्रकाशस्तंभ (पुराना नाम Pygmalion Point, नामकरण 10 अक्टूबर 1985) की भूमिका रखें। जुलाई 2026 के सुरक्षा-विकास प्रस्ताव को केवल प्रस्ताव के रूप में रखें — अंतिम पर्यावरणीय अनुमति या निर्माण की वर्तमान स्थिति का दावा न करें; ICRZ-IA और ICRZ-IVA के अंतर का संकेत दें।

निष्कर्ष में: निष्कर्ष में नौवहन सुरक्षा, सांस्कृतिक विरासत और संवेदनशील तटीय पारिस्थितिकी के संतुलन तथा पूर्व अनुमति की जरूरत पर संक्षिप्त टिप्पणी करें।

स्रोत

- [प्राथमिक] DGLL, Indira Point Lighthouse का आधिकारिक परिचय — https://www.dgll.nic.in/DGLL-light-house-location/about-portblair/indira-point-lighthouse

- [प्राथमिक-नियम] पर्यावरण मंत्रालय, Island Coastal Regulation Zone Notification, 2019, मूल अंग्रेजी पाठ, वर्गीकरण संबंधी पैरा 2 — https://environmentclearance.nic.in/writereaddata/SCZMADocument/ICRZ_Notification2019.pdf
- [प्रेस] The Indian Express, Nikhil Ghanekar, 7 जुलाई 2026 — https://indianexpress.com/article/india/indira-point-lighthouse-development-andaman-and-nicobar-project-10774605/ तथा 8 जुलाई 2026 का व्याख्या-लेख, 9 जुलाई को अद्यतन — https://indianexpress.com/article/explained/indira-point-protection-works-lighthouse-great-nicobar-10777453/

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

संक्षिप्त उत्तर: दीपस्तंभ और दीपपोत महानिदेशालय (DGLL) के अनुसार इंदिरा प्वाइंट ग्रेट निकोबार द्वीप पर भारतीय क्षेत्र का दक्षिणतम सिरा है और कोलंबो-सिंगापुर अंतर्राष्ट्रीय जहाज मार्ग का महत्वपूर्ण संकेतक है।

प्रश्न: इंदिरा प्वाइंट कहाँ स्थित है और उसका नौवहन महत्व क्या है?

दीपस्तंभ और दीपपोत महानिदेशालय (DGLL) के अनुसार इंदिरा प्वाइंट ग्रेट निकोबार द्वीप पर भारतीय क्षेत्र का दक्षिणतम सिरा है और कोलंबो-सिंगापुर अंतर्राष्ट्रीय जहाज मार्ग का महत्वपूर्ण संकेतक है। इसे भारतीय मुख्यभूमि का दक्षिणतम बिंदु नहीं कहना चाहिए।

प्रश्न: इंदिरा प्वाइंट प्रकाशस्तंभ के संरक्षण प्रस्ताव में क्या शामिल था?

IE की रिपोर्ट के अनुसार प्रारंभिक कार्यों में प्रकाशस्तंभ के चारों ओर पाइल आधारित प्लेटफॉर्म, पहुँच संरचना, पत्थर का बंध, सड़क और अस्थायी जेटी शामिल थे। दूसरे चरण में तटवर्ती सुविधाएँ, ढलान सुरक्षा और पर्यटन सुविधाएँ प्रस्तावित थीं।

प्रश्न: इंदिरा प्वाइंट प्रकाशस्तंभ को संरक्षण की जरूरत क्यों पड़ी?

2004 के भूकंप-सुनामी के बाद इस क्षेत्र में भूमि अवतलन और समुद्र के भीतर पहुँच बढ़ने से प्रकाशस्तंभ की नींव तथा आसपास की संरचनाएँ प्रभावित हुईं। DGLL समुद्र में टावर के एक हिस्से के डूबने और आसपास क्षति का उल्लेख करता है।